Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.249
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2411IV05V12P0004

e-ISSN No. 2394-8426
Special Issue On CPDE Nov'2024
Issue–III(V), Volume–XII

भारतीय शिक्षा प्रणाली में कौशल विकास की भूमिका

DR. PUNAM KESHARWANI
ASSISTANT PROFESSOR
PAL RAJENDRA B.ED COLLEGE
KANDIVALI (E)
MUMBAI,400100

ABSTRACT

भारत में कौशल आधारित शिक्षा, शिक्षा में हो रहे एक महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से प्रेरित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के ढांचे के भीतर कौशल आधारित शिक्षा एक व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है जो इसकी वर्तमान की स्थिति भविष्य की संभावनाओं इन सभी पर सरकार का ध्यान केंद्रित करता है । सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक कौशल के एकीकरण पर जोर देते हुए इस नीति का लक्ष्य भारत के युवाओं को 21वीं शताब्दी के कार्यबल की मांगों के लिए तैयार करना है। एयरटेल सामाजिक पूर्वाग्रहों को संबोधित करने, पाठ्यक्रम को विकसित करने औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने एवं कौशल आधारित शिक्षा की पहल के साथ इसकी सफलता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सभी की पहुंच को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तुत पेपर नीति मूल्यांकन क्रियान्वयन और सुधार प्रयासों को सूचित करने के लिए मूल्यवान अंतर दृष्टि प्रदान करता है जो अंततः भारत के विकास पत्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में योगदान देता है।

कीवर्ड- कौशल आधारित शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, **मुद्दे** और चुनौतियां, रणनीतियां

प्रस्तावना

भारतीय संदर्भ में कौशल आधारित शिक्षा की अवधारणा ने वर्तमान युग में महत्वपूर्ण ज्ञान एवं उसके महत्व को समेकित किया है। कौशल आधारित शिक्षा छात्रों को व्यवहारिक कौशल दक्षताओं और व्यावहारिक अनुभवों से युक्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो सीधी कार्यस्थल से प्रासंगिक है। यह दृष्टिकोण आलोचनात्मक सोच समस्या समाधान संचार समूह कार्य और तकनीकी विशेषज्ञ जैसे कौशल के विकास पर जोर देता है।

वर्तमान समय में जिस गति से सैद्धांतिक ज्ञान यार अपने को महत्व दिया जाता है कौशल आधारित शिक्षा को उतना महत्व नहीं दिया जाता है परिणाम स्वरुप छात्र विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक ज्ञान तो हासिल कर लेते हैं लेकिन व्यावहारिक कौशल हासिल करने में असफल हो जाते हैं तो इस पारंपरिक अवधारणा को बदलने का समय आ गया है और ऐसी व्यवस्था करना आवश्यक है कि छात्र सिद्धांत विज्ञान और कौशल आधारित ज्ञान दोनों ही प्राप्त करें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस प्रणाली के व्यावहारिक प्रतिबिंब के लिए कार्यक्रमों का एक प्रारूप अपनाया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 2020 भारत के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जिसे 29 जुलाई 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है यह देश की शिक्षा प्रणाली के लिए एक नई दृष्टि की शुरुआत करता है जो 1986 की पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जगह लेता है यह व्यापक है यह ढांचा प्रारंभिक

शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक फैला हुआ है और इसमें ग्रामीण और शहरी दोनों शैक्षिक आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए कौशल आधारित शिक्षा शामिल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 काव्यापक लक्ष्य वर्ष 2021 तक भारत के शैक्षिक पारिस्थितिक तंत्र में क्रांति लाना है यह सभी स्तरों पर कौशल आधारित शिक्षा की गुणवत्ता पहुंचे और प्रासंगिकता को बढ़ाने वाले समग्र परिवर्तन लाने का प्रयास करता है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में नीति कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण सच रचनात्मकता और समस्या समाधान कौशल पर ध्यान देने के साथ सीखने के लिए अधिक लचीले बहू विषयक दृष्टिकोण पर जोर देती है।

भारत में कौशल आधारित शिक्षा एक ऐसी कार्यालय को बढ़ावा देने की आवश्यकता की व्यापक मान्यता को दर्शाती है जो 21वीं शताब्दी के अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकूल नवीन और सुसज्जित हो। हालांकि प्रगति हुई है कौशल विकास पहलुओं को बढ़ाने और उनकी प्रभावशीलता और स्थिरता सुनिश्चित करने के मामले में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है।

अध्ययन का महत्व

आजकल बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ रही है इसीलिए लोग आजीविका कमाने में असफल हो रहे हैं। करण की खोज करने पर पता चलता है कि अधिकांश लोगों ने डिग्री तो हासिल कर ली है लेकिन उनके पास उचित व्यावहारिक कौशल नहीं है। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मैं कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए शिक्षा की एक नई योजना लागू की गई है। इस अध्ययन में इस नीति के ढांचे के भीतर कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ाना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नीति मूल्यांकन और क्रियान्वयन में योगदान देता है शिक्षा प्रणाली का प्रभाव का आकलन करता है रोजगार और आर्थिक विकास के लिए इसके निहितार्थ का मूल्यांकन करता है। इसके सामाजिक प्रभाव का पता लगता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इसके निहित अर्थो पर विचार करता है। इन पहलुओं को संबोधित करके अध्ययन मूल्यवान अंतर दृष्टि प्रदान करता है जो निर्णय लेने में मदद करता है और भारत में कौशल आधारित शिक्षा की प्रगति में योगदान दे सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य

- भारत में कौशल आधारित शिक्षा की वर्तमान स्थिति की जांच करना
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारत में कौशल आधारित शिक्षा के भविष्य का पता लगाना
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने में राज्य सरकार की पहल
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने में मुद्दे और चुनौतियों का समाधान करना
- इन मुद्दे और चुनौतियों पर काबू पाने के लिए कुछ रणनीतियों का सुझाव देना

अनुसंधान पद्धति

इस अध्ययन के लिए गुणात्मक शोध दृष्टिकोण अपनाया गया है। यह पत्रिकाओं लिखो पुस्तक अध्ययन वेबसाइटों सरकारी आदेशों और रिपोर्ट जैसे विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए माध्यमिक उत्तर के व्यापक विश्लेषण पर आधारित है। यह अध्ययन प्रकृति में विश्लेषण आत्मक और वर्णनात्मक भी है।

विश्लेषण

उद्देश्य-1 भारत में कौशल आधारित शिक्षा की वर्तमान स्थिति:

भारत में कौशल आधारित शिक्षा में हाल के वर्षों में सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलुओं और कार्यक्रमों के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि की ओर ध्यान देखा गया है यहां वर्तमान स्थिति का अवलोकन दिया गया है:

दृष्टिकोण	विवरण
सरकारी पहल	भारत सरकार ने कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की है 2015 में शुरू किए गए क्वेश्चन भारत मिशन का लक्ष्य 400 मिलियन से अधिक है। 2022 तक विभिन्न कौशल में लोग इस मिशन के तहत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना राष्ट्रीय प्रशिक्षित संवर्धन योजना और कौशल ऋण योजना जैसी विभिन्न योजनाएं लागू की गई है
कौशल विकास संस्थान	पूरे देश में कई कौशल विकास संस्थान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह संस्थान विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य सेवा सूचना प्रौद्योगिकी बिना निर्माण आदित्य और खुदरा आदि में पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।
उद्योगों के साथ साझेदारी	उद्योग की आवश्यकताओं के साथ कौशल विकास को संरक्षित करने के लिए शैक्षिक संस्थानों और उद्योगों के सहयोग से बढ़ते जोड़ के कारण कई कंपनी होने शिक्षा और रोजगार के बीच अंतर को पढ़ने के लिए कौशल विकास केंद्र और प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थापित किए हैं
स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा	व्यावसायिक शिक्षा को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम विभिन्न राज्यों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं छात्रों को व्यवहारिक कौशल प्रदान करने के लिए स्कूल के पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पारंपरिक शिक्षाविद भी नियुक्त किए गए हैं
ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म	ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्म के उदय ने कौशल आधारित शिक्षा को व्यापक दर्शकों के लिए अधिक सुलभ बना दिया है कई प्लेटफार्म विभिन्न कौशलों में पाठ्यक्रम और प्रमाण पत्र भी प्रदान करते हैं जिससे व्यक्तियों को अपने घरों में आराम से कौशल बढ़ाने या पुनः कौशल प्राप्त करने की अनुमति मिलती है।
चुनौतियां	प्रगति के बावजूद प्रशिक्षण की गुणवत्ता अपर्याप्त बुनियादी ढांचा ग्रामीण आबादी के बीच जागरूकता की कमी और प्रदान किए गए कौशल और उद्योगों की आवश्यकताओं के बीच बेमेल जैसी चुनौतियां हैं। कौशल आधारित शिक्षा पल के प्रभावी कार्यान्वन के लिए इन चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है

जबकि भारत में कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है व्यापक पहुंच गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण और उद्योगों की मांगों के साथ तालमेल सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

उद्देश्य २- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारत में कौशल आधारित शिक्षा का भविष्य:

भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्वेश्चन उद्देश्य कौशल आधारित शिक्षा और समग्र विकास पर जोर देकर शिक्षा प्रणाली में क्रांति लाना है यहां बताया गया है कि नप 2020 के तहत भारत में कौशल आधारित शिक्षा का भविष्य कैसे विकसित हो सकता है।

पाठ्यक्रम में कौशल का एकीकरण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कम उम्र से ही व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को मुख्य धारा के पाठ्यक्रम में एकीकृत करने पर जोर देता है। यह एकीकरण सुनिश्चित करता है कि छात्रों में शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों विकसित हो जिससे भी अधिक रोजगार परक बन सके।

लचीले शिक्षण मार्ग- नीति सीखने के मार्ग में लचीलेपन को प्रोत्साहित करती है जिससे छात्रों को उनकी रुचियां और योग्यताओं के आधार पर विविध प्रकार के विषयों और व्यावसायिक पाठ्यक्रम में से चुनने की अनुमति मिलती है यह दृष्टिकोण व्यक्तिगत शैलियों शक्तियों और कैरियर आकांक्षाओं के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देता है।

अनुभवआत्मक शिक्षा पर ध्यान- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वास्तविक दुनिया के परिदृश्य के लिए प्रासंगिक अनुभव और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए इंटर्नशिप प्रशिक्षित और परियोजना आधारित शिक्षा जैसे अनुभव आत्मक सीखने के तरीकों पर जोड़ देता है रेड कर याद करने से लेकर अनुप्रयोग आधारित शिक्षा की ओर यह बदलाव छात्रों की समस्या समाधान क्षमताओं और महत्त्वपूर्ण सो कौशल को बढ़ाता है।

उद्यमिता को बढ़ावा देना- नीति का उद्देश्य नवाचार रचनात्मक और उद्यम विकास के अवसर प्रदान करके छात्रों के लिए उद्यमशीलता मानसिकता को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति नप 2020 के तहत कौशल आधारित शिक्षा छात्रों को अपने उद्यम शुरू करने और भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से युक्त करती है।

उद्योग एकेडमिक सहयोग- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच अंतर को बांटने के लिए शैक्षणिक संस्थान और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है। व्यवसाययों और संगठनों के साथ साझेदारी उद्योग प्रासंगिक कौशल के विकास की सुविधा प्रदान करती है और छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाती है।

प्रौद्योगिकी एकीकरण- नीति कौशल आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर जोर देती है ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वर्चुअल प्रयोगशाला और डिजिटल संस्थान विशेष रूप से दूर दराज के क्षेत्र में सुलभ और इंटरएक्टिव शिक्षक अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमतानिर्माण- राष्ट्रीय शिक्षा नीति नप 2020 कौशल आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों को आवश्यक ज्ञान और कौशलों से युक्त करने के लिए उनके निरंतर व्यवसायिक विकास पर जोर देता है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण, योग्यता आधारित मूल्यांकन वीडियो और कैरियर मार्गदर्शन परामर्श पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

पूर्व शिक्षा की मान्यता- यह नीति अनौपचारिक चैनलों के माध्यम से आयोजित पूर्व शिक्षा और कौशल को पहचान और मान्यता देने के महत्व को पहचानती है आईपीएल व्यक्तियों विशेष रूप से वयस्कों और अनौपचारिक

क्षेत्र के श्रमिकों को उनके कौशल के लिए औपचारिक मान्यता प्राप्त करने उनके रोजगार क्षमता और आगे की शिक्षा के अवसर को बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020 के कार्यान्वयन से आजीवन सीखने नवाचार और समावेशी विकास की संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत में कौशल आधारित शिक्षा के परिदृश्य को बदलने की उम्मीद है**

उद्देश्य ३- राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020 के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने में सरकार की पहल:**

भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने कौशल आधारित शिक्षा की कार्यालय के उद्देश्य से कई पहल की है अनूप 2020 के अनुरूप कुछ प्रमुख सरकारी पहल यहां दी गई है।

- **कौशल आधारित शिक्षा एकीकरण-** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों स्तरों पर कौशल आधारित शिक्षा को मुख्य धारा की शिक्षा में एकीकरण पर जो देता है इसे एकीकरण का उद्देश्य छात्रों को सिद्धांत ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल प्रदान करना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है
- **कौशल विकास कार्यक्रम-** सरकार ने कौशल भारत मिशन प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम जैसे विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को उद्योग प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है
- **राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी फोरम-** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की सुविधा के लिए नाट की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इस फोरम का उद्देश्य कौशल विकास और व्यक्तिगत शिक्षक के लिए डिजिटल टूल और प्लेटफार्म के उपयोग को बढ़ावा देना है।
- **इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर-** यह नीति छात्रों में कौशल सेट करने को बढ़ाने में इंटर्नशिप अप्रेंटिसशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देती है। सरकार में उद्योगों के सहयोग से प्रशिक्षित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं शुरू की है।
- **राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र-** पी ए आर ए के एच: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छात्रों के सीखने के परिणाम का आकलन करने के लिए एक मानक निर्धारण निकाय के रूप में परख की स्थापना का प्रस्ताव करता है यह मूल्यांकन ढांचा न केवल शैक्षणिक ज्ञान बाल की व्यवहारिक कौशल और व्यावसायिक क्षमताओं का भी मूल्यांकन करेगा।
- **पाठ्यक्रम में लचीलापन-** नीति एक लचीले पाठ्यक्रम ढांचे की वकालत रहती है जो छात्रों को उनकी रुचियां और कैरियर आकांक्षाओं के आधार पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में से चुनने की अनुमति देता है यह लचीलापन कौशल आधारित एकीकरण को प्रोत्साहित करताहै।

- **शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण-** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कौशल आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के महत्व पर प्रकाश डालता है। सरकार ने शिक्षा शास्त्र में शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डिजाइन और शिक्षण में प्रौद्योगिकी के एकीकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं।
- **उद्योग अकादात्मक सहयोग-** शिक्षा और उद्योगों के बीच की खाई को काटने के लिए सरकार शैक्षणिक संस्थान और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करती है यह साझेदारी छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम की डिजाइन इंटर्नशिप के प्रावधान और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान की सुविधा प्रदान करती है

यह पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेखित कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसका उद्देश्य छात्रों को 21वीं शताब्दी के कार्यबल के लिए आवश्यक कौशल से युक्त करना है

उद्देश्य 4- नप 2020 के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने में मुद्दे और चुनौतियां:

- **सामाजिक पूर्वाग्रह:** कौशल आधारित शिक्षा में सामाजिक पूर्वाग्रह व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा मार्गों के प्रति समाज द्वारा रखे गए नकारात्मक दृष्टिकोण दूरीवादिता और पूर्वाग्रहों को संदर्भ देता है जिसके परिणाम स्वरुप अक्सर पारंपरिक तुलना में कौशल आधारित व्यवसाय और शैक्षिक कार्यक्रमों का अवमूल्यन होता है। शैक्षणिक गतिविधियां जो व्यक्ति कौशल आधारित शिक्षा चुनते हैं उन्हें सामाजिक बढ़ाओ और भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है जैसे सीमित अवसर निम्न सामाजिक ऐसी थी और उनकी क्षमताओं और बुद्धिमत्ता के बारे में नकारात्मक धारणाएं सामाजिक पूर्वाग्रहों को संबोधित करने में लोड कविता को चुनौती देना व्यावसायिक प्रशिक्षण के मूल्य को बढ़ावा देना और सभी शैक्षणिक मार्गों के लिए अधिक समावेशी और सहायक वातावरण बनाना शामिल है।
- **दोष पूर्ण पाठ्यक्रम-** व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विवरण देने व्यापक पाठ्यक्रम का अभाव के मालिक बुनियादी परिचय प्रदान करता है जो व्यावसायिक शिक्षा में स्कूली शिक्षा के बीच रुचि जगाने में सफल रहा है नतीजा वर्तमान शिक्षा प्रणाली भविष्य में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों को लुभाने के लिए संघर्ष करती है।
- **उद्योग हिट धारकों के साथ जुड़ाव-** व्यावसायिक शिक्षा की उन्नति के लिए न केवल उद्योग के खिलाड़ियों से पर्याप्त निवेश और सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है बल्कि शिक्षा को प्रभावी ढंग से व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान करना भी है व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए उद्योगपतियों और शिक्षकों के बीच रचनात्मक बातचीत की आवश्यकता होती है फिर भी ऐसी चर्चाओं में शामिल होने में उद्योग के बड़े-बड़े दिग्गज की दिलचस्पी में उल्लेखनीय कमी है।

- **बुनियादी ढांचे काविकास-** कौशल आधारित शिक्षा के लिए बुनादेश ढांचे की स्थापना के लिए विशेष सुविधाओं के निर्माण उपकरणों की खरीद और प्रौद्योगिकी तक पहुंच सुनिश्चित करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है कई शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी हो सकती है।
- **शिक्षक प्रशिक्षण:** कौशल आधारित शिक्षा को प्रभावित ढंग से प्रदान करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना महत्वपूर्ण है हालांकि व्यावसायिक विषयों में आवश्यक विशेषता वाले योग्य शिक्षकों की कमी हो सकती है मौजूदा शिक्षकों को प्रशिक्षित करना या प्रासंगिक कौशल वाले नए शिक्षकों को नियुक्त करना एक समय लेने वाली और संस्थान गहन प्रक्रिया हो सकती है।
- **समान पहुंच-** हंसी पर रहने वाले समुदायों और ग्रामीण क्षेत्रों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए कौशल आधारित शिक्षा तक समान पहुंच निश्चित करना एक चुनौती है व्यावसायिक शिक्षा के महत्व के बारे में बुनियादी ढांचे परिवहन और जागरूकता की कमी कुछ समूह की पहुंच में बाधा बन सकती है।
- **गुणवत्ता आश्वासन-** कौशल आधारित शिक्षा कार्यक्रमों में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि स्नातकों के पास रोजगार के लिए आवश्यक दक्षताएं हो गुणवत्ता आश्वासन के लिए तंत्र स्थापित करना जैसी मान्यताएं प्रक्रियाएं और निरंतर निगरानी आवश्यक है लेकिन जटिल और संसाधन गहन हो सकता है।
- **उद्योगसहयोग-** प्रासंगिक पाठ्यक्रम विकसित करने व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने और नौकरी प्लेसमेंट की सुविधा के लिए शैक्षिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग आवश्यक है हालांकि शिक्षा जगत और उद्योगों के बीच प्रभावी साझेदारी बनाने के लिए अलग-अलग प्राथमिकताएं संचार अंतराल और नौकरशाही बढ़ाओ जैसी परिस्थितियों पर काबू पाने की आवश्यकता है।
- **नीति कार्यान्वयन-** यह नीति में उल्लेखित उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर कार्यवाही योग्य नीतियों और कार्यक्रमों में अनुवाद करवाने के लिए सरकारी एजेंसियों शैक्षणिक संस्थान उद्योग निकायों और नागरिक समाज संगठनों सहित विभिन्न हिट धारकों के बीच प्रभावी समन्वय की आवश्यकता है विभिन्न राज्यों में क्षेत्र की नीति कार्य बयान में सुसंगत और स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो सकता है।
- **लचीली मूल्यांकन विधियां-** पारंपरिक मूल्यांकन विधियां कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से अर्जित व्यावहारिक कौशल और दक्षताओं का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन नहीं कर सकती हैं। प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन पोर्टफोलियो और योग्यता आधारित मूल्यांकन जैसे वैकल्पिक तरीकों को विकसित करने और लागू करने की आवश्यकता है लेकिन इसके लिए महत्वपूर्ण योजना और संसाधनों की भी आवश्यकता होती है।

- **संसाधन आवंटन:** क्वेश्चन आधारित शिक्षा बालों का समर्थन करने के लिए फंडिंग सहित पर्याप्त संसाधनों का आवंटन महत्वपूर्ण है। हालांकि शिक्षा क्षेत्र के भीतर प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताएं और सीमित बजट आवंटन बुनियादी ढांचे के विकास शिक्षण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डिजाइन और कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त धन हासिल करने में चुनौतियां पैदा कर सकते हैं।
- **उद्योग प्रासंगिकता:** यह सुनिश्चित करना कि कौशल आधारित शिक्षा कार्यक्रम उद्योगों की उभय की जरूरत और तकनीकी प्रगति के लिए प्रासंगिक बने रहे आवश्यक है। हालांकि तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति बाजार की मांगों में बदलावों से उद्योगों के रुझानों के साथ ताल में बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण पद्धतियों को अधिकतम करने में चुनौतियां पैदा कर सकते हैं।
- **क्षेत्रीय असमानताएं-** देश के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास बुनियादी ढांचे और अफसर तक पहुंचने में असमानताएं मौजूद है। कौशल आधारित शिक्षा के संदर्भ में विभिन्न क्षेत्रीय असमानताओं को संबोधित करने के लिए प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के अनुरूप लक्षण हस्तक्षेप और अनुकूलित रणनीतियों की आवश्यकता होती है।
- **कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श-** छात्रों में कौशल आधारित शिक्षा मार्ग और करियर विकल्पों के बारे में सूचित विकल्प चुनने में मदद करने के लिए प्रभावी कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएं प्रदान करना आवश्यक है हालांकि योग्य करियर परामर्शदाताओं की उपलब्धता और कैरियर मार्गदर्शन संस्थानों तक पहुंच सीमित हो सकती है खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में।
- **निजी छात्रों कीभागीदारी-** कौशल आधारित शिक्षा पल में निजी क्षेत्र को शामिल करने से कार्यक्रम की प्रभावशीलता पड़ सकती है और उद्योग संबंधों को सुविधाजनक बनाया जा सकता है हालांकि निजी क्षेत्र की भागीदारी की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित करना व्यवसायीकरण के से संबंधित चिताओं को संबोधित करना और सार्वजनिक जवाब दे ही बनाए रखना महत्वपूर्ण विचार है।
- **औपचारिक शिक्षा के साथ एकीकरण-** स्कूल पाठ्यक्रम और उच्च शिक्षा कार्यक्रमों सहित औपचारिक शिक्षा प्रणाली में कौशल आधारित शिक्षा को एकीकृत करना व्यावसायिक प्रशिक्षण को मुख्य धारा में लाने और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है हालांकि इस एकीकरण को प्राप्त करने के लिए शिक्षा प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर समन्वय और शैक्षणिक मां को और योग्यता ढांचे के साथ तालमेल की आवश्यकता होती है।
- **निगरानी और मूल्यांकन-** कौशल आधारित शिक्षा पहल की प्रगति और प्रभाव को ट्रैक करने के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र स्थापित करना जवाब देगी और निरंतर सुधार के लिए महत्वपूर्ण है हालांकि उपयुक्त संकेतक विकसित करना प्रासंगिक डाटा एकत्र करना और कठोर मूल्यांकन करना चुनौती पूर्ण हो सकता है खासकर संसाधन बाधित सेटिंग्स में।

उद्देश्य ५-इन मुद्दे और चुनौतियों पर काबू पाने के लिए कुछ रणनीति है

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा को लागू करने में चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई रणनीतियों पर विचार किया जा सकता है:

- **उन्नत पाठ्यचर्या विकास-** व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक व्यापक और विस्तृत पाठ्यक्रम विकसित करें जो बुनियादी परिचय से परी हो इसमें शिक्षकों उद्योग विशेषण क्यों और नीति निर्माता के बीच सहयोग शामिल हो सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की पाठ्यक्रम उद्योगों की जरूरत को पूरा करता है और छात्रों में रुचि जगाता है।
- **उद्योग भागीदारी को बढ़ावा देना-** व्यावसायिक शिक्षा को आकार देने में उद्योगों के अध्यक्षों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना उन्हें प्रोत्साहन देना साझेदारी को बढ़ावा देना और उद्योग शिक्षा सहयोग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- **शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण-** शिक्षकों को व्यवसायिक शिक्षा को प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के अवसर प्रदान करें इसमें शिक्षा शास्त्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डिजाइन कार्यशालाएं और उद्योग प्रथाओं से परिचित होना शामिल हो सकता है।
- **पहुंचे और समानता में सुधार:** हंसी है पर रहने वाले समुदायों और ग्रामीण क्षेत्रों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए कौशल आधारित शिक्षा तक सामान बहुत सुनिश्चित करने के लिए लक्षित पहले लागू करें। इसमें जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के लिए छात्रवृत्ति परिवहन सहायता और आउटरीच कार्यक्रम प्रदान करना शामिल हो सकता है।
- **गुणवत्ता आश्वासन तंत्र-** कौशल आधारित शिक्षा कार्यक्रमों में उच्च मध्यमिकों को बनाए रखने के लिए मान्यता प्रक्रियाओं नियमित मूल्यांकन और प्रतिक्रिया तंत्र सहित मजबूत गुणवत्ता आश्वासन तंत्र स्थापित करें यह सुनिश्चित करता है कि स्नातक कार्यालय के लिए पर्याप्त रूप से तैयार है।
- **सुव्यवस्थित नीति क्रियान्वयन-** सरकारी एजेंसियों शैक्षणिक संस्थान उद्योग भागीदारों और नागरिक समाज संगठनों सहित नीति क्रियान्वयन में शामिल हित धारकों के बीच समन्वय और सहयोग को मजबूत करना। इसमें कौशल आधारित शिक्षा पहलुओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करना समय सीमा स्थापित करना और प्रगति की निगरानी करना शामिल हो सकता है।
- **लचीले मूल्यांकन दृष्टिकोण-** वैकल्पिक मूल्यांकन वीडियो का विकास करें जो कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से प्राप्त व्यावहारिक कौशलों और दक्षताओं का सटीक मूल्यांकन कर सके ऐसी प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन परियोजना पोर्टफोलियो और व्यावसायिक क्षेत्र के अनुरूप योग्यता आधारित मूल्यांकन शामिल हो सकते हैं।

- **संसाधन जुटाना और आवंटन-** सभी स्तरों पर कौशल आधारित शिक्षा पहन का समर्थन करने के लिए धन और जनशक्ति सहित पर्याप्त संसाधन आवंटित करें। इसमें बजट को पुणे आवंटित करना बाहरी फंडिंग स्रोतों को सुरक्षित करना और कौशल आधारित शिक्षा कार्यक्रमों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन उपयोग को अनुकूलित करना शामिल हो सकता है।
- **सार्वजनिक-निजी भागीदारी-** कौशल आधारित शिक्षा की उन्नति के लिए विशेषण कितना संसाधनों और नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देना इसमें छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम विकास इंटर्नशिप प्लेसमेंट और नौकरी प्लेसमेंट सेवाओं के लिए संयुक्त पहल शामिल हो सकती है।
- **सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता-** सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और कौशल के मूल्य और महत्व के बारे में जागरूकता पटना आउटरीच कार्यक्रमों सामुदायिक कार्यशालाओं और मीडिया अभियानों के माध्यम से आधारित शिक्षा प्रदान करना माता पिता स्तानी नेताओं और समुदाय के सदस्यों के बीच शामिल करने के समर्थन उत्पन्न करने और व्यावसायिक शिक्षा मार्गों की स्वीकृति को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।
- **लचीले सीखने के रास्ते-** लचीले सीखने के रास्ते पेश करें जो विभिन्न शिक्षार्थियों की जरूरत और प्राथमिकताओं को पूरा कहते हैं जैसे अंशकालिक कार्यक्रम ऑनलाइन पाठ्यक्रम और योग्यता आधारित सीखने के विकल्प यह लचीलापन विभिन्न शेड्यूल प्रतिबद्धताओं और सीखने की शैलियों वाले शिक्षार्थियों को समायोजित करता है जिससे कौशल आधारित शिक्षा अधिक सुलभ और समावेशी हो जाती है।
- **उद्योग संचालित पाठ्यक्रम डिजाइन-** उद्योग प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए सलाहकार बोर्ड स्थापित करके पाठ्यक्रम डिजाइन को उद्योगों की आवश्यकता और उभरते रुझानों के बीच संरक्षित करें। यह पाठ बोर्ड पाठ्यक्रम विकास पर मूल्य बंद मूल्यवान दृष्टि अंतर्दृष्टि प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं यह सुनिश्चित करते हुए व्यावसायिक कार्यक्रम उद्योगों की भर्ती जरूरत के लिए प्रासंगिक और उत्तरदाई बने रहे।
- **उद्यमिता शिक्षा को बढ़ावा देना-** उधमाशीलता को मानसिकता को बढ़ावा देने और छात्रों को व्यवसाय शुरू करने और प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशलों से युक्त करने के लिए कौशल आधारित कार्यक्रमों में उद्यमिता शिक्षा को एकीकृत करना इसमें उद्यमिता मॉड्यूल को शामिल करना मेंटरशिप के अवसर प्रदान करना और स्टार्टअप संस्थान ऑन और फंडिंग तक पहुंच को सुविधाजनक बनाना शामिल हो सकता है।
- **उद्योग भागीदारी को प्रोत्साहित करना-** कर प्रोत्साहन अनुदान और मान्यता कार्यक्रमों जैसी कौशल आधारित शिक्षा पहलों में उद्योगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना

उद्योग भागीदारी को उनके योगदान के लिए पहचाने और पुरुष कृत करने से शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया जा सकता है और दीर्घकालिक साझेदारी को बढ़ावा दिया जा सकता है।

- **वंचित समूह के लिए विशेष प्रशिक्षण-** विकलांग व्यक्तियों अल्पसंख्यकों और आर्थिक रूप से वंचित व्यक्तियों सहित वंचित समूह के लिए लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम और सहायता सेवा प्रदान करें उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ग्राम कार्यक्रमों को तैयार करना और भागीदारी में आने वाली बढ़ाओ को दूर करना समाविष्ट समावेशता को बढ़ सकता है। और कौशल आधारित शिक्षा में सामाजिक समानता को बढ़ावा दे जा सकता है।
- **अनुसंधान और नवाचार:** कौशल आधारित शिक्षण पद्धतियों प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं में प्रगति लाने के लिए अनुसंधान और नवाचार में निवेश करें। इसमें अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन करना अनुसंधान पल पर शिक्षा जगत और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और प्रशिक्षण और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन समाधानों का प्रसार करना शामिल है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और आदान-प्रदान-** ज्ञान साझा करने अंतर संस्कृत शिक्षा और कौशल आधारित शिक्षा में व्यावसायिक सर्वोत्तम प्रथाओं के संपर्क को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विनिमय कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाना अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारी करना विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेना और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं की मेजबानी करना शैक्षिक अनुभवों को समृद्ध कर सकता है और कार्यक्रम की गुणवत्ता भी बढ़ा सकता है।
- **सतत निगरानी और मूल्यांकन-** कौशल आधारित शिक्षा पहन के प्रभावशीलता और प्रभाव का आकलन करने के लिए चल रही निगरानी मूल्यांकन और प्रतिक्रिया संग्रह के लिए तंत्र स्थापित करें। इसमें सुधार के क्षेत्र की पहचान करने और कार्यक्रम के परिणामों को अनुकूलित करने के लिए डाटा संचालित निर्णय करने के लिए नियमित मूल्यांकन सर्वेक्षण और हिट धारक परामर्श आयोजित करना शामिल है।
- **नीति वकालत और सुधार-** प्रणालिगत बढ़ाओ को दूर करने और कौशल आधारित शिक्षा फेल के कार्य में को सुविधाजनक बनाने के लिए नीति सुधार और संस्थागत परिवर्तनों की वकालत करना। इसमें नीति निर्माता के साथ जुड़ना बधाई सुधारो में की वकालत करना और निर्णय लेने की प्रभावित करने और व्यावसायिक शिक्षा एजेंडा की प्रगति का समर्थन करने के लिए नीति संवाद मंचों में भाग लेना शामिल हो सकता है।

इन अतिरिक्त रणनीतियों को लागू करके हिट धारक कौशल आधारित शिक्षा पल के प्रभावशीलता को बढ़ावा और प्रभावित को बढ़ा सकते हैं अंतत गतिशील और प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिसर में सफलता के लिए शिक्षार्थियों के समग्र विकास और सशक्तिकरण में योगदान दे सकते हैं।

निष्कर्ष:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के राज्य के भीतर कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ाने का प्रयास 21वीं सदी के कार्यक्रम की मांगों के लिए भारत के युवाओं को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक कौशल को एकीकृत करने पर नीति का जोर अर्थव्यवस्था और समाज की उभरती जरूरत की पहचान को रेखांकित करता है इस अध्ययन का महत्व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत क्वेश्चन आधारित शिक्षा से संबंधित वर्तमान स्थिति भविष्य की संभावना सरकारी पहल चुनौती और रणनीतियों के व्यापक विश्लेषण में निहितहै। इन पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए अध्ययन मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो नीति मूल्यांकन कार्यान्वयन और सुधार प्रयासों को सूचित करें। यह सामाजिक पूर्वाग्रहों को दूर करने पाठ्यक्रम विकास को बढ़ावा देने उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कौशल आधारित शिक्षा पहल की सफलता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सम्मान पहुंच को बढ़ावा देने की अनिवार्यता को रेखांकित करता है।

आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेखित दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सरकार उद्योग शिक्षा और नागरिक समाज के एक धारकों के ठोस प्रयास आवश्यकहोंगे। भारत मौजूदा चुनौतियों को पार कर सकता है और कौशल विकास और शिक्षा में व्यावसायिक नेता के रूप में उभर सकता है अंतत कौशल आधारित शिक्षा की परिवर्तनकारी क्षमता न केवल रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में नहीं थे बल्कि समाज के सभी प्रमुखों के लिए समावेशी विकास सामाजिक एक छोटा और आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने की क्षमता में भी निहित है जैसे-जैसे भारत इस परिवर्तनकारी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है नवाचार समाविष्ट समावेशित और उत्कृष्टता के सिद्धांतों को एक उज्जवल और अधिक समृद्धि भविष्य की दिशा में उसका मार्गदर्शन करना चाहिए।

संदर्भ

- क्रेस्वेल, जे. डब्ल्यू. (2019), शैक्षिक अनुसंधान (चौथा संस्करण), पियर्सन इंडिया एजुकेशन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड।
- भारत सरकार। (2020)। नई शिक्षा नीति। नई दिल्ली: मानव संसाधन विकास मंत्रालय।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज, खंड 5, संख्या 5, पृष्ठ 6836-6842 मई 2024 6842
- जैन, एन. (2023)। एनईपी 2020 - व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कौशल विकास का एक तंत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स
- (आईजेसीआरटी) खंड 11, अंक 7, पृष्ठ 753-762।

- कौशिक, के. (2014)। भारत में व्यावसायिक शिक्षा। इंटरनेशनल जर्नल एजुकेशन एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज (आईजेईआईएस), खंड 4, संख्या 1, पृष्ठ 55-58।
- कुमार, जे.ए. (2020)। भारत में व्यावसायिक शिक्षा का महत्व। इंटरनेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च जर्नल (आईईआरजे), खंड 6, अंक 2, पृष्ठ 31-32।
- कुमार, एस. (2022)। एनईपी 2020 में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-संवर्द्धन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी) खंड 10, अंक 5, पृष्ठ 87-93।
- कुमारी, डी. (2022)। नई शिक्षा नीति 2020: शिक्षा में प्रतिमान बदलाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), खंड 11, अंक 6।